# अनिल अग्रवाल ने भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए खोज और उद्यमिता पर दिया जोर

**भास्कर समाचार सेवा**

नई दिल्ली। अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता ग्रुप ने उद्यमिता, निजीकरण, अन्वेषण और भरोसे पर आधारित शासन व्यवस्था के माध्यम से भारत की धरती के नीचे मौजूद संसाधनों की क्षमता को सामने लाने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन की आवश्यकता पर जोर दिया। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत के पास मजबूत भू-वैज्ञानिक क्षमता, उद्यमशील प्रतिभा और उन्नत तकनीक मौजूद है, जो देश को बड़े पैमाने पर प्राकृतिक संसाधनों में आत्मनिर्भर बना सकती है। भारत की हरित क्रांति का उदाहरण देते हुए अनिल अग्रवाल ने कहा कि अब देश को खनिजों, धातुओं, तेल और गैस के क्षेत्र में भी इसी तरह का एक बड़ा अभियान शुरू करना चाहिए, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हों। उन्होंने इसे धरती के नीचे की हरित क्रांति बताते हुए कहा कि भारत के कुल आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा धरती के नीचे मौजूद संसाधनों से जुड़ा है, जबकि देश के पास दुनिया के सबसे समृद्ध भू-वैज्ञानिक भंडारों में से एक है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतिगत समर्थन, तेज मंजूरियां, अन्वेषण आधारित विकास और उद्यमियों पर अधिक भरोसा तेल एवं गैस, तांबा, एल्युमिनियम, सोना, जस्ता, निकेल और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को काफी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत ऊर्जा अधिशेष और विनिर्माण-आधारित वैश्विक शक्ति बनने की क्षमता रखता है।